विराट कोहली नंबर–1 पर कायम जसप्रीत बुमराह का ताज छिना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। भारतीय कप्तान विराट कोहली आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान पर बरकरार हैं, जबकि गेंदबाजों की सूची में जसप्रीत बुमराह को अपना नंबर–1 स्थान गंवाना पड़ गया है। कोहली ने न्यूजीलैंड के समाप्त हुई तीन मैचों की वनडे सीरीज में केवल 75 रन बनाए थे। भारत को तीनों मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। कोहली के बाद रोहित शर्मा हैं जो न्यू जीलैंड के साथ वनडे सीरीज में नहीं खेले थे। वनडे सीरीज में मैन ऑफ द सीरीज रहे रॉस टेलर एक स्थान ऊपर उठकर चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं।

शीर्ष–10 में केवल दो ही भारतीय बल्लेबाज हैं। गेंदबाजों की सूची में बुमराह को अपना नंबर–1 का ताज गंवाना पड़ा है। बुमराह ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में एक भी विकेट नहीं लिया था और इसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा है। उन्होंने सीरीज में कुल 30 ओवर फेंके और 167 रन खर्च किए। न्यू जीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने बुमराह को हटाकर नंबर–1 स्थान हासिल कर लिया है। अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान तीसरे और दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा चौथे नंबर पर है। ऑलराउंडरों की सूची में रविंद्र जडेजा तीन पायदान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं।

नेपाल के खिलाफ 35 पर सिमटा अमेरिका

ओडीआई में सर्वाधिक बॉल शेष रहते हुए जीत

क्रिकेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। क्रिकेट को बढ़ावा देने के मकसद से आईसीसी ने भले ही कई देशों को इंटरनैशनल स्तर पर टी20 और वनडे क्रिकेट खेलने की मान्यता दे दी है। लेकिन अभी ये टीमें इस स्तर पर क्रिकेट खेलने को तैयार नहीं दिख रहीं। बुधवार को नेपाल की राजधानी काठमांडू (कीर्तिपुर) में नेपाल और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच वनडे मैच खेला गया। अमेरिकी टीम यहां मात्र 35 रन पर ऑल आउट हो गई, जो वनडे क्रिकेट इतिहास का सबसे छोटा टोटल है। इस वजह से 50–50 ओवर का यह मैच मात्र 17.2 ओवर में ही पूरा हो गया।

वनडे क्रिकेट इतिहास में यह दूसरा मौका था जब कोई टीम सिर्फ 35 रन पर ही ढेर हो गई हो। अमेरिका से पहले जिम्बाब्वे की टीम साल 2004 में श्रीलंका के खिलाफ इतने ही स्कोर पर ऑल आउट हुई थी।

अब अमेरिका और जिम्बाब्वे वनडे क्रिकेट में सबसे कम स्कोर बनाने के मामले में संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। नेपाल और अमेरिका के बीच क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 श्रेणी के तहत यह मैच खेला गया। यहां मेजबान नेपाल ने टॉस जीतकर मेहमान अमेरिका को पहले बैटिंग का निमंत्रण दिया। लेकिन अमेरिकी टीम यहां पूरी तरह फेल साबित हुई। अमेरिकी टीम ने नेपाल के लेग स्पिनर संदीप लामिछाने के सामने पूरी तरह समर्पण कर दिया। संदीप ने 6 ओवर फेंककर 1 मेडन के साथ 16 रन खर्च किए और उन्होंने 6 विकेट अपने नाम किए। वनडे इतिहास में यह उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। संदीप के अलावा शेष 4 विकेट लेफ्ट आर्म स्पिनर सुषान बिहारी (4/5) ने अपने नाम किए।

दूसरे ओवर से उसका पहला विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हुआ तो उसने रुकने का नाम ही नहीं लिया और 12 ओवर होने तक अमेरिकी टीम मात्र 35 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। अमेरिकी टीम का सिर्फ एक बल्लेबाज जेवियर मार्शल (16) दहाई का आंकड़ा छू पाए, जबकि कप्तान समेत उसके 4 बल्लेबाज अपना खाता भी नहीं खोल पाए।

36 रन का यह आसान सा लक्ष्य नेपाली टीम ने 5 ओवर में ही अपने नाम कर लिया। हालांकि लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेपाली टीम की भी शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उसके दोनों ओपनर पहले दो रन जुड़ने तक ही पविलियन लौट गए थे। लेकिन बाद में पारस खड़का (20') और दीपेंद्र सिंह ऐरी (15') के दम पर 8 विकेट से यह मैच अपने नाम कर लिया।

नेपाल की टीम ने यह आसान जीत 268 गेंदें शेष रहते हुए अपने नाम दर्ज की है। वनडे क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा गेंदें शेष रहते हुए जीत दर्ज करने के मामले में यह चौथी सबसे बड़ी जीत है।

भारत और पाकिस्तान सीरीज के पक्ष में नहीं हैं चेतन चौहान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट सीरीज हमेशा चर्चा में रहती है। मंगलवार को टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह और पाकिस्तान के कप्तान रहे शाहिद अफरीदी ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सीरीज की वकालत की थी। युवराज ने कहा था कि इससे क्रिकेट का भला होगा। लेकिन पूर्व सलामी बल्लेबाज चेतन चौहान युवराज की राय से इत्तेफाक नहीं रखते।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी चेतन चौहान भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज करवाने के पक्ष में नहीं हैं। बुधवार को इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा है कि दोनों देशों के बीच मौजूदा तल्ख हालात में द्विपक्षीय

सीरीज नहीं होनी चाहिए।

चौहान युवराज सिंह की उस टिप्पणी के जवाब में बात कर रहे थे जिसमें पूर्व ऑलराउंडर ने कहा था कि दर्शकों को दोबारा मैदान पर लाने के लिए भारत–पाक में द्विपक्षीय सीरीज होनी चाहिए।

चौहान ने बुधवार को कहा, शफिलहाल, भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज नहीं होनी चाहिए क्योंकि दोनों देशों के बीच हालात ठीक नहीं हैं। पाकिस्तान में खेलना सुरक्षित नहीं है। आतंकवादियों को क्रिकेट से कोई लेना–देना नहीं। जब तक पाकिस्तान में आतंकवादी मौजूद हैं भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबले नहीं हो सकते। पूर्व सलामी बल्लेबाज ने हाल ही में न्यू जीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में भारतीय टीम को मिली हार पर भी अपनी राय रखी।

चौहान ने कहा, मैं चाहता था कि जब शिखर धवन और रोहित शर्मा चोटिल थे तो रहाणे को वनडे सेट–अप का हिस्सा बनाना चाहिए था। ऐसा खिलाड़ी जो टीम में स्थिरता लेकर आता।

उन्होंने आगे कहा, जसप्रीत बुमराह थोड़े थके हुए लग रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी।

अब घरेलू खिलाड़ियों के विडियो देखकर उन्हें टीम इंडिया में मौका देंगे सिलेक्टर्स

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट को और मजबूत करने के उद्देश्य से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब चयनकर्ता घरेलू स्तर पर शानदार परफॉर्मेंस देने वाले खिलाड़ियों की फुटेज देखकर यह निर्णय ले सकेंगे कि किस खिलाड़ी कब वह सीनियर टीम में मौका दें। बीसीसीआई ने अब फैसला किया है कि वह चयनकर्ताओं और खिलाड़ियों को घरेलू मैचों में प्रदर्शन की फुटेज उपलब्ध कराएगा।

बोर्ड ने यह कदम सिलेक्शन प्रक्रिया को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से उठाया है। इसके लिए बोर्ड ने पिच के दोनों छोरों पर स्टंप्स में अच्छी क्वॉलिटी के कैमरा लगाने का काम शुरू कर दिया है, ताकि वह बल्लेबाजों और गेंदबाजों के प्रदर्शन की अच्छी फुटेज एकत्रित कर पाए। यह फुटेज लाइव टीवी प्रोडक्शन फीड से अलग होगी लेकिन खिलाड़ियों को बड़े स्तर पर मौका देने से पहले चयनकर्ताओं के लिए यह महत्वपूर्ण होगी। यह प्रक्रिया पिछले सीजन में ही शुरू हो चुकी थी। लेकिन इन फुटेज को एक सीडी में सेव कर मैच खेलने वाली टीमों को दे दिया जाएगा और इसकी एक कॉपी बोर्ड के डेटा सिस्टम में भी स्टोर की जाएगी।

न्यूज डायरी

आईसीसी ने किया मजाक, सुपर ओवर की जगह खेल सकते हैं रॉक, पेपर, सिजर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) माउंट माउनगानुई। सुपर ओवर क्रिकेट की दुनिया में हाल ही में काफी चर्चा में रहा। और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस पर मजाक किया है। बुधवार को मजाकिया लहजे में कहा है कि मैच का परिणाम सुपर ओवर की जगह 'रॉक, पेपर, सिजर' खेल के निकाला जा सकता है। न्यूजीलैंड के हरफनमौला खिलाड़ी जिम्मी निशाम ने मंगलवार को भारतीय बल्लेबाज लोकेश राहुल के साथ अपनी एक फोटो ट्वीट की थी, जिसमें दोनों अपने मुट्ठी बांधे हुए हैं। इसका कैप्शन नीशाम ने 'रॉक, पेपर, सिजर' दिया था। आईसीसी के आधिकारिक ट्वीटर हैंडल से इसे रीट्विट किया गया है और लिखा, ''शायद हम सुपर ओवर की जगह इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।'' 'रॉक, पेपर, सिजर' एक खेल है जो दो लोगों के बीच खेला जाता है जिसमें तीन मुद्राओं का प्रयोग होता है। पहली मुद्रा रॉक यानि मुट्ठी, पेपर यानी सिर्फ हाथ और सिजर यानि दो उंगलिया बाहर निकली हुईं होती हैं।

पृथ्वी से पहले शुभमन को मिले प्लेइंग इलेवन में मौका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) हैमिल्टन। भारत के सीनियर ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि भारत । के लिए हाल ही में शानदार प्रदर्शन करने वाले शुभमन गिल टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण के लिए तैयार हैं। शुभमन ने पहले । टेस्ट मैच में 83 और नाबाद 204 रन बनाए। इसके बाद दूसरे मैच में शतक जमाया। पृथ्वी साव भी अंतिम एकादश में चयन के दावेदार हैं, जो 16 महीने बाद टेस्ट टीम में लौटे हैं। हरभजन ने कहा, शुभमन को मौका मिलना चाहिए क्योंकि वह रिजर्व सलामी बल्लेबाज के रूप में टीम में काफी समय से हैं। रोहित शर्मा के चोटिल होने और केएल राहुल के चुने नहीं जाने से भारत टेस्ट टीम में मयंक अग्रवाल से पारी का आगाज करा सकता है। अग्रवाल हालांकि। टेस्ट और तीनों वनडे में नाकाम रहे।

मंधाना की फिफ्टी बेकार, ऑस्ट्रेलिया का त्रिकोणीय टी20 सीरीज पर कब्जा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 त्रिकोणीय सीरीज का फाइनल खेलने उतरी टीम इंडिया को उसकी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के 37 गेंद में 66 रन भी जीत नहीं दिला पाए। इस मुकाबले में मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने उसे 11 रन से हरा यह सीरीज अपने नाम कर ली। कंगारू टीम ने भारत को जीत के लिए 156 रन का लक्ष्य दिया था लेकिन टीम इंडिया 144 रन पर ऑल आउट हो गई। एक समय भारत का स्कोर 15वें ओवर में 3 विकेट पर 115 रन था। बाएं हाथ की स्पिनर जोनासन ने 4 ओवर में 12 रन देकर 5 विकेट लिए। वह महिला टी20 क्रिकेट में एक पारी के पांच विकेट लेने वाली तीसरी ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हैं। मैच जीतने के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मैग लानिंग ने कहा, यह बेहतरीन हरफनमौला प्रदर्शन था। मंधाना का विकेट निर्णायक मोड़ रहा जो शानदार फॉर्म में थीं।

एफआईएच पुरस्कार से देश के लिये कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा मिलेगी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) भुवनेश्वर। भारत के विवेक सागर प्रसाद ने कहा है कि एफआईएच के वर्ष के सर्वश्रेष्ठ उदीयमान खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने से उन्हें देश के लिये और मेहनत करने की प्रेरणा मिलेगी। जनवरी 2018 में न्यूजीलैंड में चार देशों के टूर्नामेंट के जरिये अंतरराष्ट्रीय हाकी में पदार्पण करने वाले 17 वर्ष के विवेक सीनियर टीम के लिये खेलने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए । दो वर्ष बाद उन्हें 2019 के लिये एफआईएच ने सर्वश्रेष्ठ उदीयमान खिलाड़ी चुना । उन्होंने कहा ,'' सीनियर स्तर पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने से बेहतर कोई अहसास नहीं है।'' उन्होंने कहा ,'' जब मैं युवा था तब बैडमिंटन और शतरंज में ज्यादा रूचि थी लेकिन बाद में हाकी खेलना शुरू किया । मैं अपने परिवार, कोचों और दोस्तों का शुक्रगुजार हूं ।'' उन्होंने कहा ,'' यह सम्मान बहुत बड़ा है और मैं इसी तरह मेहनत करता रहूंगा ताकि देश का नाम रोशन कर सकूं।''